जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 01 मार्च 2019

जामिया में 12 वां अहमद अली ममोरीअल लेक्चर

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 28 फरवरी, 2019 को 12वां अहमद अली ममोरीअल लेक्चर हुआ। इस लेक्चर का विषय था '' कलोनीअल आर्काइव में एक ज्ञानी क्लर्कः पंडित राम गरीब चैबे और भारत का भाषाई सर्वेक्षण '' ।

प्रसिद्ध विद्वान प्रो शाहिद अमीन इसके वक्ता थे। इस व्याख्यान कार्यक्रम में जामिया के अंग्रेज़ी विभाग के प्रमुख प्रो निशात ज़ैदी ने उद्घाटन भाषण दिया और प्रो एम. असदुद्दीन ने अध्यक्षता की।

प्रो अमीन ने बताया कि राम गरीब चैबे का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होने के बावजूद उन्हें उसके अनुरूप मान्यता नहीं मिली। वह औपनेवेशिक काल के ज्ञानी व्यक्ति थे जो ब्रिटिश औपनेवेशिक शिक्षा पद्धति की रग रग से वाकिफ थे। वह अवधि, भोजपुरी, हिन्दी, फारसी, संस्कृत और अंग्रेज़ी फर्राटे से बोलते थे।

बाद में वह मिर्ज़ापुर के राजस्व मामलों के कलेक्टर बन गए। इस दौरान वह एक ब्रिटिश विलियम क्रूक से मिले जो भारत की लोक कथाओं के संकलन में गहरी रूचि रखते थे। इसमे राम गरीब चैबे ने उनकी बहुत मदद की। 1890 से 1896 तक क्रूक द्वारा संपादित सभी पर्चाें में उनका बड़ा योगदान रहा।

प्रो अमीन ने बताया कि राम गरीब चैबे ने भारतीय भाषाओं की सांस्कृतिक धरोहरों का अंग्रेज़ी में अनुवाद करके उनके संकलन में बड़ी भूमिका निभाई।

इस दिलचस्प लेक्चर को सुनने के लिए सभागार खचाखच भरा था जिसमें बीए , एम ए के छात्रों सहित अनुसंधानकर्ता और अध्यापक शामिल थे। जामिया के अंग्रेज़ी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर शुबी आबिदी ने इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक